इस्तखिारा प्रार्थना

रेटगि:

वविरण: ????????? ????????? ?? ??? ???? ????? ?? ???????? ????? ??, ???? ?? ????????? ?????????

श्रेणी: पाठ › पूजा के कार्य › प्रार्थना

द्वारा: Aisha Stacey (© 2012 NewMuslims.com)

प्रकाशति हुआ: 08 Nov 2022

अंतमि बार संशोधति: 07 Nov 2022

उद्देश्य

- इस्तखिारा प्रार्थना की परभिाषा और महत्व दोनों को समझना।
- यह जानना कि इस्तखिारा की प्रार्थना कब और कैसे करनी है।

अरबी शब्द

- *??????* - अध्ययन के क्षेत्र के आधार पर सुन्नत शब्द के कई अर्थ हैं, हालांकि आम तौर पर इसका अर्थ है जो कुछ भी पैगंबर ने कहा, कयिा या करने को कहा।
- *???* - याचना, प्रार्थना, अल्लाह से कुछ मांगना।
- *??* - मक्का की तीर्थयात्रा, जहां तीर्थयात्री कुछ अनुष्ठानों की एक श्रृंखला का पालन करते हैं। हज इस्लाम के पांच स्तंभों में से एक है, जसिे हर वयस्क मुसलमान को अपने जीवन में कम से कम एक बार अवश्य करना चाहिए यदि वे इसे वहन कर सकते हैं और शारीरकि रूप से सक्षम हैं।
- *?????* - शांति का सलाम जो प्रार्थना के आखरि मे करा जाता है।
- *????* - जसिकी अनुमति है।

इस्तखिारा क्या है?

इस्तखिारा गैर-अनविार्य प्रार्थना की एक दुआ है; यह एक स्वैच्छकि प्रार्थना है जसिे पैगंबर मोहम्मद ने उस व्यक्तकिो करने की सलाह दी जो कुछ करना चाहता है लेकनि करने में झझिक रहा है। यह सही नर्णिय लेने के लएि मार्गदर्शन मांगना है। यह बताया गया है कपिैगंबर मुहम्मद अपने साथयिों को इस्तखिारा करना वैसे ही सखिाते थे जैसे वह उन्हें क़ुरआन के छंद सखिाते थे। व्यक्तकिो दो रकात गैर-अनविार्य (स्वैच्छकि) नमाज की दो इकाइ पढ़ना चाहएि और फरि इस्तखिारा की दुआ पढ़नी चाहएि।

इस्तखिारा की दुआ

***Allahumma innee astakheeru-ka bi-'ilmik wa astaqdiru-ka bi-qudratik wa as-alu-ka min fadlikal-'azeem fa-inna-ka taqdiru wa laa aqdir wa ta'lamu wa laa a'lam wa Anta 'Allamul-ghuyoob. Allahumma in kunta ta'lamu anna hadhal-amr khairul-lee fee deenee wa ma'aashee wa 'aaqibati amree faqdur-hu lee wa yassir-hu lee thumma baarik lee feeh. wa in kunta ta'lamu anna hadhal-amra sharrul-lee fee deenee wa ma'aashee wa 'aaqibati amree fasrifhu 'annee wasrifnee 'anh waqdur liyal-khayra haythu kaan thumma ardhinee bih.*अल्लाहुम्मा इन्नी अस्तखीरुका बी-इलमीका व असतक्दीरुका बी- कुदरतकिा व अस अलुका मीन फ़ज़्लकिा अल-अज़ीम फ- इन्नका तक्दीरु व ला अक्दरि व ता-लामु व ला आ-लमु व अंता अल्लमुल-गुयुब। अल्लाहुम्मा इन कुंता ता-लमू अन्ना हाज़ल अम्र खैरुल-ली फ-दिनी व मा अशी व आक़बितअिमरफ़िक़दरिहु ली व यस्सीर-हु सुम्मा बारकि-ली फ़हि व इन कुंता ता-लमु अन्ना हाज़ल अमरा शर्रु-ली फ-दिनी व मा अशी व-आक़बितअिमरफ़िसफरि-हु अन्नी वस्-फरिनी अन्हु-वक्दरि लअिल-खैरा हैसु का-न-सुम्मा अर्ज़नी बहि**

"? ??????, ??? ???? ???????? ???? ?? ???? ?????? ?????? ???, ?? ??? ???? ???? ????? ?? ???? ?? ????? ?????? ???, ?? ??? ???? ???? ???? ?????? ???? ??????? ?? ???? ??? ????? ???, ???? ??? ????? ?? ?? ??? ????? ???, ?? ??? ????, ?? ?? ?? ??? ????? ??? ?? ?????? ???

? ??????, ??? ?? ????? ??? ?? ?? ????? [????? ?? ????? ????] ???? ????, ???? ?????? ?? ????? ?? ????? ?? ??? ????? ??, ?? ??? ???? ????, ??? ???? ??? ???? ???? ?? ???? ???? ???? ??? ?????

????? ??? ?? ????? ??? ?? ???? ????, ???? ?????? ?? ????? ?? ????? ?? ???? ???? ??? ??, ?? ?? ????? ?? ????? ???? ?????? ?? ???? ???? ??? ?? ??????, ?? ???? ???? ???? ??? ????? ??????, ?? ???? ?? ?? ??, ???? ???? ???? ???????? ???????"

इस्तखिारा की दुआ कब पढ़ें

तस्लीम से पहले या बाद में इस्तखिारा की दुआ पढ़ने की अनुमति है। कुछ वद्विान तस्लीम से पहले करने की सलाह देते हैं, क्योंकि पैगंबर मुहम्मद खुद तस्लीम से पहले बहुत सी दुआ करते थे।

इस्तखिारा की प्रार्थना कब करें

इस्लामी वद्विान इस बात से सहमत हैं कि इस्तखिारा तब करना चाहिए जब कोई व्यक्ति सही नर्िणय लेने मे झझिक रहा हो। अगर कोई इस बारे में अनश्चिति है कि उसके संभावति कार्यों से इस दुनिया और परलोक दोनों में अच्छा होगा या नहीं। यदि कोई व्यक्ति झझिक रहा है, यह नहीं जानता कि क्या "यह" करना सही है, तो इस्तखिारा वह दुआ है जो उसके दमिाग को शांत कर सकती है। यह वो दुआ है जो अल्लाह को इस दुनिया में एकमात्र ताकत और एकमात्र शक्ति के रूप में स्वीकार करती है। उनका मार्गदर्शन यह सुनश्चिति करने के लिए आवश्यक है कि मनुष्य सीधे और सही मार्ग का अनुसरण करें जो एक आनंदमय जीवन की ओर ले जाता है। उदाहरण के लिए, यदि कोई व्यक्ति चाहता है कुछ करने का सही समय पता करें, जैसे कि इस साल स्वैच्छिक हज करना है या नहीं, या किसी वशिेष व्यक्ति को शादी का प्रस्ताव देना है, तो यह स्वीकार्य है और सलाह दी जाती है कि वह इस्तखिारा की प्रार्थना करे। ध्यान से समझें कि इस्तखिारा उन मामलों के लिए है जनि्हें या तो अनुशंसति माना जाता है या करने की अनुमति है। यह उन मामलों के लिए है जनिमें झझिक होती है, जैसे क्या मुझे यह दान देना चाहिए या अन्य? क्या मुझे इस हलाल नौकरी के लिए आवेदन करना चाहिए या किसी अन्य के लिए? व्यक्ति को इस्तखिारा प्रार्थना उस चीज़ के बारे में करनी चाहिए जसिके बारे में वह सोचता है कि यह इससे बेहतर हो सकता है और फरि उसे इस्तखिारा प्रार्थना करना चाहिए।

इस्तखिारा की प्रार्थना उन मामलों के लिए नहीं करना चाहिए जनि्हें पूजा के अनविार्य कार्य माना जाता है, या पापों और बुरे कार्यों से दूर रहने के लिए।

इस्तखिारा की प्रार्थना करने से पहले किसी ऐसे व्यक्ति से परामर्श लेने की सलाह दी जाती है जसिे आप जानते हैं कि वह ईमानदार, परवाह करने वाला है और उसके पास अनुभव है, और जो अपनी धार्मकि प्रतबिद्धता और ज्ञान के संबंध में भरोसेमंद है।

साधारण गलती

·यह मानना कि इस्तखिारा प्रार्थना करने की एक नश्चिति संख्या है।

इस्तखिारा की प्रार्थना के लिए कोई समय नर्धिारति नहीं है और इसे एक से अधकि बार दोहराने की अनुमतदि है।

·यह वशि्वास करना कि एक सपना आएगा।

कुछ लोगों का मानना है कि इस्तखिारा की प्रार्थना के बाद उन्हें कोई सपना आएगा या सुकून का अनुभव होगा। यह सही नहीं है। ऐसी बातो के बनिा भी, यदि कोई व्यक्ति नर्णिय लेता है तो इस्तखिारा की ईमानदार दुआ के कारण यह आशा की जानी चाहिए कि यह उसके लिए सबसे अच्छा नर्णिय है।

·यह मानना कि दुआ का जवाब नहीं दयिा गया।

यदि कोई व्यक्ति इस्तखिारा की प्रार्थना करने के बाद लिए गए नर्णिय में सफल नहीं होता है, तो इसका मतलब यह नहीं है कि दुआ ने वह नहीं कयिा जो सबसे अच्छा था। अक्सर ऐसा होता है कि अल्लाह जानता है कि सबसे अच्छा क्या है जबकि हम इंसान नहीं जानते। यदि हम दुआ के शब्दों पर वशिेष ध्यान दें तो हम देखेंगे कि हम न केवल अल्लाह से सबसे अच्छा मांग रहे हैं, बल्कि उस चीज़ को हमसे दूर करने के लिए भी कह रहे हैं जसिका इस जीवन में या परलोक मे हमारे लिए कोई लाभ नहीं है।

इस्तखिारा की प्रार्थना के बाद अगर अल्लाह आपके लिए चीजों को आसान बना देता है तो यह इस बात का संकेत है कि आपने जो फैसला लयिा है वह आपके लिए अच्छा है और अगर रास्ते में बाधाएं आती हैं और चीजें मुश्कलि हो जाती हैं तो यह इस बात का संकेत है कि अल्लाह आपको एक बुरे फैसले से दूर कर रहा है।

इस लेख का वेब पता

https://www.newmuslims.com/hi/articles/163

कॉपीराइट © 2011 - 2024 NewMuslims.com. सर्वाधकिार सुरक्षति।